web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 12 अप्रैल 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 193

महत्वपूर्ण एवं खास

बारामूला में लश्कर के आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

श्रीनगर (आरएनएस)। सुरक्षा बलों ने मंगलवार को जम्मू एवं कश्मीर के बारामूला जिले में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और आतंकवादी समूह के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया। विशिष्ट सूचना के आधार पर, स्थानीय पुलिस, राष्ट्रीय राइफल्स और सशस्त्र सीमा बल के कर्मियों सहित सुरक्षा बलों ने पट्टन इलाके में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने कहा, फारूक अहमद पर्रा और साइमा बशीर के रूप में पहचाने गए दो आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ करने पर उन्होंने खुलासा किया कि वे वुसान पट्टन इलाके के आबिद कयूम वानी के साथ मिलकर लश्कर के लिए काम कर रहे थे। उनके खुलासे के आधार पर एक पिस्टल, पिस्टल की दो मैगजीन, पिस्टल की पांच गोलियां, करीब दो किलो वजन का एक आईईडी और एक रिमोट कंट्रोल उपकरण बरामद किया गया। पुलिस ने कहा, गिरफ्तार किए गए आतंकी साथियों पर कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

महाकाल मंदिर में तीन स्थानों पर मिलेंगे शीघ्र दर्शन टिकट

उज्जैन (आरएनएस)। ज्योर्तिलिंग महाकाल मंदिर में दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए मंगलवार से तीन स्थलों पर शीघ्र दर्शन टिकट के काउंटर लगाए जाएंगे। मंदिर प्रशासक संदीप कुमार सोनी ने बताया कि मंगलवार से गेट नम्बर चार पर दो प्रोटोकाल कार्यालय पर चार तथा मंदिर के एक नम्बर गेट पर एक आनलाइन काउंटर शुरु कर दिया जाएगा। यहां से दर्शनार्थी ऑनलाइन टिकट प्रापत कर सुविधा से दर्शन कर सकेंगे। अनेक स्थानों पर क्यूआर कोड भी लगाए गए हैं।

पंजाब के पूर्व सीएम चन्नी को विजिलेंस का नोटिस, आय से अधिक मामले में जांच के लिए किया तलब

चंडीगढ़ (आरएनएस)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को पंजाब विजिलेंस विभाग ने कल बुधवार को जांच में शामिल होने के लिए नोटिस भेजा है। चन्नी से आय से अधिक संपत्ति के मामले में सुनवाई होनी है। विजिलेंस की तरफ से भी पूछताछ के लिए पूरी रणनीति बना ली गई है। उनकी संपत्ति का विवरण भी जुटा लिया है। ताकि जब उनसे पूछताछ की जाएगी तो विलिलेंस को किसी तरह की मुश्किल का सामना ना करना पड़े। उन्हें भी अपनी संपत्ति का विवरण देने के लिए कहा गया है। याद रहे कि अभी तक चन्नी के खिलाफ विजिलेंस ने कोई केस दर्ज नहीं किया है। बता दें कि आय से अधिक संपत्ति मामले में पंजाब ने पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पर विजिलेंस ब्यूरो ने शिकंजा कसा गया है। ब्यूरो ने उन्हें नोटिस जारी किया है। साथ ही बुधवार सुबह 10.30 बजे तलब किया है। यह पहला मौका है जब चन्नी को विजिलेंस की तरफ से तलब किया गया है।

फेक न्यूज की पहचान के लिए आईटी नियमों के संशोधन को चुनौती, केंद्र से हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार की तरफ से सोशल मीडिया पर फेक न्यूज की पहचान के लिए आईटी नियमों में किए गए संशोधन को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। स्टैंप अप कॉमेडियन कुणाल कामरा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने केंद्र से इस मामले में एक एफिडेविट दायर करने के लिए कहा। जस्टिस गौतम पटेल और जस्टिस नीला गोखले की बेंच ने कहा कि सरकार को एफिडेविट में बताना चाहिए कि उसे आईटी नियम में संशोधन की जरूरत क्यों पड़ी। कोर्ट ने केंद्र को एफिडेविट दायर करने के लिए 19 अप्रैल तक का वक्त देते हुए पूछा कि क्या इस संशोधन के पीछे कोई तथ्यात्मक बैकग्राउंड या वजह रही? याचिकाकर्ता इस संसोधन की वजह से किसी तरह के प्रभाव की उम्मीद कर रहा है। कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई 21 अप्रैल को करेगी।

कैदियों की अदला-बदली में रूस ने 100 यूक्रेनी बंदियों को किया रिहा

कीव। रूस के साथ कैदियों की ताला अदला-बदली में 20 महिलाओं सहित यूक्रेन के 100 बंदियों को रूस ने रिहा किया है। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। मुक्त कराए गए लोगों में यूक्रेनी सेना के जवान, राष्ट्रीय रक्षक व नौसेना के जवान और सीमा रक्षक शामिल हैं। एर्मक ने टेलीग्राम पर लिखा, रिहा किए गए लोगों में से कुछ या तो घायल हैं या गंभीर रूप से बीमार हैं।

बेकाबू हो रहा कोरोना, 5 दिन में ही डबल हो रहे केस- दिल्ली में अलर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। देशभर में कोरोना के बढ़ते मामले टेंशन दे रहे हैं। पिछले सप्ताह की बात करें तो 7 महीने के बाद 36 हजार नए केस रिपोर्ट हुए। दिल्ली, केरल, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में कोरोना के मामलों में उछाल दर्ज की गई है। संक्रमण अभी लगातार बढ़ ही रहा है। ऐसे में दिल्ली में अलर्ट घोषित कर दिया गया है। राहत की बात यह है कि मौतों का आंकड़ा ज्यादा नहीं बढ़ा है। एक सप्ताह में कोरोना की वजह से कुल 68 लोगों की जान गई। हालांकि एक सप्ताह पहल के मुकाबले यह संख्या ज्यादा है।

केरल में एक सप्ताह में सबसे ज्यादा केस रिपोर्ट हुए। यहां 11,296 लोग कोरोना की चपेट में आए जो कि एक सप्ताह पहले के आंकड़ों से ढाई गुना ज्यादा है। वहीं महाराष्ट्र दूसरे नंबर पर रहा। यहां 4,587 नए केस रिपोर्ट हुए। दिल्ली में 94 फीसदी उछाल देखा गया और 3,896 पॉजिटिव केस मिले। गुजरात में भी 15 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया। राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में अभी कोरोना में ज्यादा उछाल नहीं देखा गया है। मौतों की बात करें तो बीते सप्ताह महाराष्ट्र में 15, दिल्ली में 10, हिमाचल प्रदेश में 8 और गुजरात में 6, कर्नाटक में 5 लोगों की जान कोरोना की वजह से गई। बता दें कि आईएमए ने भी कहा है कि इस बार बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सावधानी की जरूरत है लेकिन डरने की जरूरत नहीं है। कोरोना का नया वेरिएंट उतना ताकतवर नहीं है इसलिए अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या भी कम है।

कोरोना के बढ़ते संक्रमण को लेकर 33,685 स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में की गई मॉक ड्रिल

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोविड संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए देशभर में आयोजित की गई दो दिन की कोविड मॉक ड्रिल मंगलवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने यहां बताया कि कोविड के खिलाफ लड़ाई में बड़े पैमाने पर देशव्यापी अभ्यास में 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 724 जिलों में दो दिवसीय मॉक ड्रिल सफलतापूर्वक आयोजित की गई। कई राज्यों में कोविड संक्रमण के मामलों में वृद्धि के बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 28 मार्च, को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को लिखा था और 10 और 11 अप्रैल, को सभी स्वास्थ्य सुविधाओं केंद्र में मॉक ड्रिल आयोजित करने को कहा था। मॉक ड्रिल में कुल 33,685 स्वास्थ्य सुविधा केंद्र शामिल किए गए। इसमें 28,050 सरकारी और 5,635 निजी स्वास्थ्य सुविधा केंद्र शामिल हैं। सरकारी सुविधाओं में सरकार शामिल है। मॉकटेल में मेडिकल कॉलेज, सरकारी अस्पताल, जिला सिविल अस्पताल, सीएचसी के साथ-साथ एचडब्ल्यूसी और पीएचसी, निजी स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों ने भाग लिया। मॉक ड्रिल के दौरान ऑक्सीजन बेड, आइसोलेशन बेड, वेंटिलेटर, पीएसए प्लांट, एलएमओ, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ-साथ दवाओं और पीपीई किट सहित महत्वपूर्ण चिकित्सा बुनियादी ढांचे और संसाधनों की जांच की गयी। राष्ट्रव्यापी मॉक ड्रिल की तैयारी के लिए राज्य और जिला निगरानी इकाइयों के साथ ऑनलाइन तीन दिन का प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। इन प्रशिक्षणों में राज्य और जिला निगरानी इकाइयों द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर मुख्य सचिव ने ली अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने देश और प्रदेश में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए सतर्कता बरतने तथा आवश्यक तैयारियां रखने के निर्देश दिए हैं। उनके निर्देश पर मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने आज मंत्रालय (महानदी भवन) में अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक लेकर प्रदेश में कोविड-19 की स्थिति तथा इससे बचाव व रोकथाम की व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में डीजीपी अशोक जुनेजा, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, स्वास्थ्य विभाग के सचिव प्रसन्ना आर. और पुलिस महानिरीक्षक अजय यादव भी शामिल हुए। मुख्य सचिव जैन ने बैठक में कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बढ़ते कोविड संक्रमण को देखते हुए चिंता व्यक्त की है और उन्होंने अत्यधिक सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। जैन ने सभी जिलों को कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण और रोकथाम के लिए राज्य व केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अनिवार्यत: पालन करने को कहा। उन्होंने कलेक्टरों को कोविड प्रोटोकाल का गंभीरता से पालन करने और कोरोना टेस्टिंग व वैक्सीनेशन के संबंध में जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को अस्पतालों में कोविड के इलाज के लिए ऑक्सीजन सिलेण्डर सहित अन्य जीवनरक्षक उपकरणों और दवाईयों की समुचित व्यवस्था रखने को कहा। अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू ने कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए सभी अस्पतालों में पूरी तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवश्यक किट्स व कन्ज्युमेबल्स के साथ पर्याप्त दवाईयों, उपकरणों और प्रशिक्षित मानव संसाधन की भी पूरी तैयारी रखने को कहा। सभी संभागों के आयुक्त, सभी जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक में शामिल हुए।

सीजेआई चंद्रचूड़ की वकील को चेतावनी, कहा- मेरे अधिकार के साथ खिलवाड़ न करें

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली एक पीठ हर दिन औसतन लगभग 100 मामलों की सुनवाई करती है जो सर्वोच्च न्यायालय की पीठों के समक्ष तत्काल सूचीबद्ध करने की मांग करते हैं। मुख्य न्यायाधीश की अदालत अक्सर वकीलों से भरी रहती है, जो अपने मामले की तत्काल सुनवाई की मांग करते हैं। मामलों के उल्लेख के दौरान, मुख्य न्यायाधीश का वकीलों के साथ बातचीत करते समय बहुत नरम लहजा होता है और अदालती कार्यवाही के दौरान शायद ही कभी अपना आपा खोते हैं।

हालांकि, मंगलवार को वह भडक़ गए और एक वकील को चेतावनी दी, मेरे अधिकार के साथ खिलवाड़ मत करो। वकील ने एक मामले का उल्लेख किया था और मामले की जल्द सुनवाई के लिए अदालत से अनुरोध किया था, लेकिन जब पीठ ने उन्हें बताया कि उनका मामला 17 अप्रैल को सूचीबद्ध होगा, तो उन्होंने मामले को दूसरी पीठ के समक्ष उल्लेख करने की स्वतंत्रता मांगी। वकील ने कहा, यदि अनुमति हो तो मैं किसी अन्य पीठ के समक्ष इसका उल्लेख कर सकता हूं।

मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला भी शामिल हैं, उन्होंने वकील से कहा कि वह उनके साथ चालबाजी न करें और कहा: आप इसे पहले की तारीख के लिए यहां और फिर कहीं और उल्लेख नहीं कर सकते। वकील समझ गया कि उसकी दलीलों ने मुख्य न्यायाधीश को नाराज कर दिया है और खेद व्यक्त किया और कहा कि उसे अपनी दलीलों के लिए माफ किया जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने वकील से कहा, हां, क्षमा कर रहे हैं। लेकिन मेरे अधिकार के साथ खिलवाड़ न करें।

चट्टान से टकराने के बाद नदी में जा गिरी यात्रियों से भरी बस, 10 की मौत

लीमा। दक्षिण अमेरिकी देश पेरू के लीमा विभाग में एक यात्री बस के सडक़ से फिसल कर नदी में गिर जाने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गये। हादसा केन्द्रीय राजमार्ग के किलोमीटर 109 पर तडक़े करीब 2.30 बजे हुआ।

उन्होंने बताया कि बस हुआनुको के केंद्रीय विभाग से रात आठ बजे रवाना हुई थी। इस दौरान लीमा के रास्ते में बस चट्टान से टकराते हुए रिमैक नदी में गिर गई। पेरू के रेडियो के अनुसार बस में छह बच्चे सहित करीब 60 यात्री सवार थे। दुर्घटना में तीन बच्चों हित 25 लोग घायल हुए है सभी घायलों को स्थानीय अस्पताल अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं। इनमें से कम से कम पांच लोगों की हातल गंभीर बतायी गयी हैं। दुर्घटना में बस चालक भी घायल हुआ है। उसे पूछताछ के लिए चीकला जिले के पुलिस थाने ले जाया गया है।

अमेरिका : लुइसविले में गोलीबारी में 4 की मौत, 9 घायल

शिकागो। अमेरिका के केंटकी राज्य के लुइसविले शहर में हुई गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई और नौ घायल हो गए। घायलों में तीन की हालत नाजुक बनी हुई है। लुइसविले पुलिस ने एक संवाददाता सम्मेलन में पुष्टि की कि घायल हुए दो पुलिस अधिकारियों में से एक की हालत गंभीर है। घटना के तीन मिनट बाद मौके पर पहुंची लुइसविले पुलिस ने कहा कि 23 वर्षीय श्वेत व्यक्ति कॉनर स्टर्जन, ने अधिकारियों पर गोली चलाई, और पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। यह जानकारी लुइसविले के अंतरिम प्रमुख जैकलीन गिविन-विलारोएल ने सोमवार दोपहर एक समाचार ब्रीफिंग में दी। स्थानीय मीडिया ने बताया कि घटनास्थल पर भारी पुलिस बल मौजूद है। लुइसविले मेट्रो पुलिस विभाग ने ट्वीट किया कि यह घटना ई. मेन स्ट्रीट पर ओल्ड नेशनल बैंक में सुबह करीब साढ़े आठ बजे शुरू हुई। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो क्लिप में गोलियों की आवाज सुनी जा सकती है।

बिरनपुर गांव में दो समुदायों के बीच हुई हिंसा मामले में दो और मौतें

रायपुर-बेमेतरा (आरएनएस)। बेमेतरा जिले के बिरनपुर गांव में दो समुदायों के बीच हुई हिंसा मामले में दो और लोगों की मौत होने की जानकारी मिली है। जिस पर सूत्रों के अनुसार दो हत्याओं की पुष्टि हुई है। दोनों एक समुदाय विशेष की हत्या बताई जा रही है। दोनों के शवों को फिलहाल बेमेतरा जिला अस्पताल के चीरघर में रखा गया है। दो और लाशों के मिलने के बाद पुलिस ने चौकसी बढ़ा दी है साथ ही लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई है।

गौरतलब है कि बिरनपुर में स्कूली बच्चों के विवाद से उपजी घटना से शनिवार को साम्प्रदायिक हिंसा में भडक़ गई जिसमें भुनेश्वर साहू नाम के युवक की मौत हो गई। पुलिस प्रशासन एवं जिला प्रशासन को सूचना मिलने के बाद बिरनपुर गांव को छांवनी में बदल दिया गया है। उक्त मसले को लेकर सोमवार को विश्व हिन्दू परिषद द्वारा प्रदेश बंद का आव्हान किया गया था। इस दौरान उत्पातियों ने एक खाली मकान में आग लगा दी। घर में रखे सिलेंडर फटने से आग का स्वरूप भवावह हो गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने घटना ग्राम बिरनपुर, बेमेतरा एवं राजधानी सहित प्रदेश में रह रहे आम लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है।

पीड़ित परिवार को मुख्यमंत्री ने 10 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की

❐ परिजन को दी जाएगी शासकीय नौकरी, शांतिपूर्ण व्यवस्था कायम रखने की है अपील

रायपुर (आरएनएस)। बेमेतरा जिले में हाल ही में दो समुदायों के बीच हुई हिंसा के दौरान युवक भुवनेश्वर साहू की हत्या के बाद उपजी परिस्थितियों के मद्देनजर मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार को दस लाख रुपये देने की घोषणा की साथ ही परिजन को शासकीय सेवा में लिये जाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने वर्तमान परिस्थितियों में बेमेतरा सहित प्रदेश के सभी क्षेत्रों में स्थित आमजनों से शांतिपूर्वक सदभावना कायम करते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुख्यमंत्री निवास में आज छग प्रदेश साहू संघ के अध्यक्ष टहलसिंह साहू एवं अन्य सदस्यों ने मुलाकात कर उक्त घटनाक्रम की कड़ी जांच करवा दोषियों को तत्काल सजा देने की मांग की है। संघ की मुलाकात के उपरांत ही मुख्यमंत्री ने मामले की गंभीरता को समझते हुए उक्त दोनों घोषणाएं की है। ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री ने आयुक्त के नेतृत्व में कमेटी गठित कर उच्चस्तरीय जांच की रिपोर्ट एक सप्ताह में देने के निर्देश आयुक्त दुर्ग संभाग को दिये हैं।

अतीक को लेकर प्रयागराज रवाना हुई यूपी पुलिस : एक इंस्पेक्टर सहित ढाई दर्जन पुलिसकर्मी लगे हैं सुरक्षा में

प्रयागराज (आरएनएस)। माफिया अतीक अहमद को लेकर यूपी पुलिस मंगलवार दोपहर ढाई बजे अहमदाबाद की साबरमती जेल से प्रयागराज के लिए रवाना हो गई। उसे 16 दिन में दूसरी बार सडक़ मार्ग से लाया जा रहा है। अतीक को उमेश पाल हत्याकांड में पूछताछ के लिए लाया जा रहा है। उस पर इस हत्याकांड की साजिश रचने का आरोप है।

सूत्रों के मुताबिक अतीक की जेल में मेडिकल जांच हुई, जिसमें उसे फिट पाया गया। प्रयागराज लाने के दौरान अतीक वैन में करीब 1300 किलोमीटर का रास्ता तय करेगा। ज्ञात हो कि बीती 26 मार्च को भी यूपी पुलिस अतीक को प्रयागराज लाई थी। तब उमेश पाल अपहरण केस में अतीक की कोर्ट में पेशी हुई थी। इसमें उसे उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद अतीक को वापस साबरमती जेल लाया गया था। प्रयागराज की एमपी एमएलए कोर्ट ने उमेश पाल मर्डर केस में पूछताछ के लिए एक सप्ताह पहले बी-वारंट जारी किया था। प्रयागराज पुलिस ने बी-वारंट साबरमती जेल में तामील कराया था। अब पुलिस अतीक को कोर्ट में पेश करके पूछताछ के लिए उसकी रिमांड मांगेगी। अतीक को सडक़ मार्ग से लेकर आ रही पुलिस टीम के साथ दो प्रिजन वैन हैं। टीम में एक इंस्पेक्टर, 30 कॉन्स्टेबल शामिल हैं।

देवघर रोपवे हादसे का कोई जिम्मेदार नहीं! जांच रिपोर्ट ने कहा- एक बुलबुले की वजह से हुआ हादसा

❐ झारखंड के देवघर की त्रिकूट पहाड़ी पर बीते साल 10 अप्रैल को हुआ था रोपवे हादसा

रांची (आरएनएस)। झारखंड के देवघर की त्रिकूट पहाड़ी पर बीते साल 10 अप्रैल को हुए रोपवे हादसे का एक साल गुजर गया है। इसकी दर्दनाक यादें अब भी लोगों के जेहन से नहीं उतरी हैं, लेकिन इसे लेकर आज तक किसी की जिम्मेदारी तय नहीं हो सकी। आप इस बात पर चौंक सकते हैं कि इसकी जांच के लिए बनाई गई हाई लेवल कमेटी ने सरकार को जो रिपोर्ट सौंपी है, उसमें कहा गया है कि यह हादसा हाइड्रोजन की वजह से बने बुलबुले की वजह से हुआ। जांच रिपोर्ट में मेटलर्जिकल जांच का हवाला देते हुए बताया गया है कि रोपवे का संचालन जिस इंजन के जरिए हो रहा था, उसके शैफ्ट में हाइड्रोजन का एक बुलबुला बन गया था। इस बुलबुले की वजह से शॉफ्ट टूटा और इसके बाद लोहे से बनी रोप रील से उतर गई। इसके बाद एक ट्रॉली नीचे गिर पड़ी और बाकी 23 ट्रॉलियां हवा में लटकी रह गईं। यह जांच रिपोर्ट साढ़े चार सौ पन्नों में है और इसमें लगभग 1200 पन्ने के एन्क्लोजर्स भी लगाए गए हैं।

इधर झारखंड हाईकोर्ट ने पिछले दिनों इस मामले में हुई सुनवाई के दौरान इस जांच रिपोर्ट पर असंतोष जाहिर करते हुए सरकार को नए सिरे से रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है।

सनद रहे कि झारखंड के प्रसिद्ध धार्मिक पर्यटन केंद्र देवघर के त्रिकूट पर्वत पर बीते साल 10 अप्रैल की शाम लगभग 6 बजे रोपवे का एक तार टूट जाने की वजह से तीन लोगों की मौत हो गई थी, जबकि डेढ़ दर्जन से ज्यादा लोग जख्मी हो गए थे। रोपवे की 24 में से 23 ट्रॉलियों पर सवार कुल 78 लोग पहाड़ी और खाई के बीच हवा में फंस गये थे। इनमें से 28 लोगों को उसी रोज सुरक्षित निकाल लिया गया था, जबकि 48 लोग 36 से लेकर 45 घंटे तक बगैर कुछ खाए-पिए पहाड़ी और खाई के बीच हवा में लटके रह गए थे।

वायुसेना, एनडीआरएफ, आईटीबीपी और आर्मी के लगातार 45 घंटे के जोखिम भरे ऑपरेशन के बाद हवा में लटके इन 48 में से 46 लोगों को बचा लिया था, जबकि रेस्क्यू के दौरान दो लोगों की मौत हो गई थी। एक व्यक्ति की मौत ट्रॉली गिरने से पहले ही हो गई थी।

तब यह बात सामने आई थी कि रोपवे चलाने वाली कंपनी ने न तो मापदंडों के अनुसार इसका मेंटेनेंस किया था और न ही सेफ्टी ऑडिट में सामने आई खामियों को दूर करने की जरूरत समझी थी। हादसे से तीन हफ्ते पहले ही एक सरकारी एजेंसी ने 1,770 मीटर लंबे इस रोपवे का सेफ्टी ऑडिट किया था और इसमें करीब 24 खामियां बताई थीं। इन्हें नजरअंदाज कर रोपवे का संचालन धड़ल्ले से किया जा रहा था।

हादसे के बाद झारखंड सरकार ने 19 अप्रैल को राज्य के वित्त सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में जांच समिति के गठन का नोटिफिकेशन जारी किया था। नोटिफिकेशन में कहा गया था कि कमेटी दो महीने में रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। सच यह है कि जिस कमेटी को दो महीने यानी 60 दिनों में रिपोर्ट देनी थी, वह पूरे 70 दिन बाद घटनास्थल पर जांच के लिए पहुंची थी।

बहरहाल, जो जांच रिपोर्ट आई है उसमें हाइड्रोजन के एक बुलबुले को इसकी वजह बताया गया है, लेकिन न तो किसी की जिम्मेदारी तय की गई है और न ही किसी को इसके लिए कसूरवार माना गया है।